भारत की अध्यक्षता में जी20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक वाराणसी में संपन्न

चर्चा में क्यों?

26 अगस्त, 2023 को भारत की अध्यक्षता में जी20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक वाराणसी में संपन्न हुई। बैठक में अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ जी20 सदस्यों और आमंत्रित देशों के संस्कृति मंत्रियों एवं गण्यमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

प्रमुख बिंदु

- संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में, भारत की अध्यक्षता में जी20 संस्कृति कार्य समूह भारत के सीडब्ल्यूजी द्वारा व्यक्त चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिये ठोस कार्य-उन्मुख परिणामों को आकार देने में लगा हुआ है।
- यह चर्चा सीडब्ल्यूजी बैठकों, द्विपक्षीय सत्रों और वैश्विक विषयगत वेबिनार की एक श्रृंखला द्वारा निरंतर विचार-विमर्श के माध्यम से की जा रही है। संस्कृति मंत्रियों की बैठक (सीएमएम) पिछली बैठकों की सभी चर्चाओं, विचार-विमर्श और पहलों का निचोड़ थी।
- जी20 संस्कृति मंत्रियों ने आज की बहुआयामी विकास चुनौतियों, जैसे- जलवायु परिवर्तन, बढ़ती असमानताओं और दूसरों के बीच डिजिटल परिवर्तन के प्रभाव को संबोधित करने के लिये संस्कृति की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग करने पर सहमति व्यक्त की और अधिक समावेशी समाजों को आकार देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जो सभी संस्कृतियों की विविधता और समान गरिमा की मान्यता के पूर्ण सम्मान पर आधारित हैं।
- भारत के संस्कृति मंत्रियों की बैठक के परिणाम के दस्तावेज़ को 'काशी संस्कृति मार्ग'का नाम दिया गया है। यह भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत जी20 संस्कृति कार्य समूह द्वारा व्यक्त प्राथमिकताओं पर जी20 संस्कृति मंत्रियों द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं और आम सहमति का सारांश प्रस्तुत करता है।
- जी20 एमओसी ने सर्वसम्मति से काशी संस्कृति मार्ग नामक परिणाम दस्तावेज़ को अपनाया है।
- जी20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक के दौरान जी20 संस्कृति मंत्रियों द्वारा रिपोर्ट 'जी20 कल्चर: शेपिंग द ग्लोबल नैरेटिव फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ'को लॉन्च किया गया। इसमें मार्च-अप्रैल 2023 के दौरान आयोजित भारतीय अध्यक्षता द्वारा व्यक्त की गई चार प्राथमिकताओं पर विशेषज्ञ-संचालित वैश्विक विषयगत वेबिनार की अंतर्दृष्टि और सिफारिशें शामिल हैं। यह सारगर्भित प्रकाशन भारत की जी20 अध्यक्षता में आयोजित वैश्विक विषयगत वेबिनार की कार्यवाही का डॉक्युमेंटेशन करता है।
- संस्कृति मंत्रियों ने एक विशेष संस्करण डाक टिकट जारी किया। यह विशेष डाक टिकट हॉलमार्क अभियान 'कल्चर यूनाइट्स ऑल'की स्मृति में लॉन्च किया गया था, जो भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के तहत संस्कृति कार्य समूह की एक पहल थी। राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान, 'संस्कृति सभी को एकजुट करती है'अभियान समावेशी विकास के लिये बहुपक्षवाद में भारत के अटूट विश्वास के प्रमाण के रूप में खड़ा रहा।
- इसके बाद, संस्कृति मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने भारत के जी20 अध्यक्षता के तहत संस्कृति कार्य समूह द्वारा आयोजित जी20 ऑर्केस्ट्रा- 'सुर वसुधा'देखा। 'सुर वसुधा'या धुनों का खजाना जी20 सदस्य देशों और अतिथि देशों के समृद्ध संगीत ज्ञान एवं विरासत का जश्न मनाता है।
- 'वसुधैव कुटुंबकम' या 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'की भावना में, संगीत कार्यक्रम में जी20 सदस्य और अतिथि देशों के संगीत एवं संगीत वाद्ययंत्रों को शामिल किया गया। संगीतकारों के लिये इस साझा मंच का उद्देश्य समावेश और विविधता को बढ़ावा देना एवं संगीत के माध्यम से विचारों के आदान-प्रदान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना है।
- संस्कृति मंत्रियों की बैठक के महत्त्वपूर्ण नतीजे उन महत्त्वाकांक्षी और सामूहिक कार्रवाइयों में शामिल होंगे, जिन पर जी20 लीडर्स सितंबर 2023 में जी20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के दौरान चर्चा करेंगे।

//

दृष्टि The Vision

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/g20-culture-ministers-meeting-under-the-chairmanship-of-india-concluded-in-varanasi